font>

Title: Regarding fixing of remunerative prices of sugarcane in Bihar.

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : हम नोटिस पर ही बोल रहे हैं। देश में गन्ना किसानों की हालत सबसे बदतर स्थिति में है और इस सदन में कई बार इस पर चर्चा हुई है। गन्ना किसानों को जो उचित मूल्य मिलना चाहिए, वह नहीं मिला। गत वर्ा जो मूल्य मिल रहा था, उससे भी कम मूल्य कर दिया गया, लेकिन जो न्यूनतम मूल्य भिन्न-भिन्न शुगर फैक्टरियों के लिए देश में उनकी रिकवरी के आधार पर तय किया गया था, उसे भी बिहार में लागू नहीं किया जा रहा है। बिहार के सिधबलिया शुगर फैक्टरी, हरखुआ और सासामुसा फैक्टरी गोपालगंज जिले में पड़ती हैं, इन तीनों जगहों पर जो गत वर्ा मूल्य था, इस बार न्यूनतम मूल्य तय किया गया। उसके बाद प्रधानमंत्री की ओर से, भारत सरकार की ओर से पांच रुपये प्रति क्विंटल देने की बात हुई।

उसको न देकर 21 रुपये प्रति क्विंटल कम कीमत देकर किसानों के गन्ने का भुगतान किया जा रहा है। इसके साथ-साथ कीमत के अलावा प्रत्येक ट्रक पर 15 क्विंवटल कम तोला जा रहा है। टायर गाड़ी पर पांच क्विंटल कम तोला जा रहा है। ट्रैक्टर ट्रेलर पर 10 क्विंटल कम तोला जा रहा है। इसके अलावा तोल केन्द्र भी फॉल्टी बने हुए हैं। इस संबंध में जिला प्रशासन को कई बार रिपोर्ट की गई लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। â€¦ (व्यवधान) हमारे पास पुगलिया शुगर फैक्टरी की रसीद है जिसे हम सदन के पटल पर रखना चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान) गन्ने का न्यूनतम मूल्य तय करने के बावजूद किसानों को उसकी कीमत नहीं मिलती। â€¦ (व्यवधान) इसके बारे में कार्रवाई होनी चाहिए। हम आपकी आज्ञा से इस रसीद को सदन के पटल पर रखना चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान)